जो सभा पटल पर रखा गया है । ग्रंथालय में रखा गया [देखिए संख्या एल० टी० 595/80] जो ऐसे कृषि श्रमिकों को जिनके पास 1974–75 के दौरान "खेती योग्य भूमि नहीं" थी, मजदूरी देने वाले रोजगार के दिनों की औसतन वार्षिक संख्या के बारे म है ।

'पार्श्ववर्ती सड़क परियोजना' क अन्तर्गत बनाई गई सड़कें

1327. **श्री डी० एल० बैठा : क्या नौवहन और परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 'पार्श्ववर्ती सड़क परियोजना' के अन्तर्गत देश म कितनी सड़कें बनाई जा चुकी हैं तथा उन स्थानों के नाम क्या हैं जहां ये सड़कें बनाई गई हैं और वे स्थान कौन-कौन से हैं जहां ऐसी सड़कों के निर्माण में कोई प्रगति नहीं हुई है ;

(ख) उसके क्या कारण हैं ; और

(ग) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कार्यवाही किए जाने का विचार है ?

नौवहन और परिवहन मंत्री (श्री ए० पी० शर्मा) : (क) बरेली-पीलीभीत-लखीमपुर-बहराइच बस्ती-गोरखपुर-कसिया-पिपराकोठी-मुजफ्फरपुर-बरौनी पूर्णिया-अररिया-ठाकुरगंज-चलसा-हाशीमारा-काछूगांव अमीनगांव रास्ते पर उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिमी बंगाल और असम के राज्यों में जिस सड़क का निर्माण करने का प्रस्ताव किया गया था वह बन चुकी है । इसके अलावा तीन लिंक सड़कें भी अर्थात् बेतिया सगौली खंड, मुजफ्फरपुर-दरभंगा खंड और अररिया फोर्बेस गंज खंड जो बिहार में पड़ती है, पार्श्ववर्ती सड़क परियोजना के अन्तर्गत साथ-साथ बनाकर तैयार की गई ।

(ख) और (ग). प्रश्न नहीं होता ।

बरौनी-कटिहार रेल लाइन का बड़ी लाइन में बदला जाना

1328. **श्री डी० एल० बैठा : क्या रेल मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बरौनी-कटिहार मीटर-गेज रेल लाइन को बड़ी रेल लाइन में बदलने का प्रस्ताव है ;

(ख) यदि हां, तो इसकी अनुमति कब दी गई थी, अब तक कितनी प्रगति की गई है और उसके लिए कितनी राशि प्रदान की गई है;

(ग) क्या इस संबंध में भूतपूर्व रेल मंत्री से पटना में एक प्रतिनिधि मंडल मिला था और उसने बड़ी लाइन में बदलने के इस कार्य को कटिहार से भी आगे जोगबानी स्टेशन, जोकि नेपाल की सीमा पर सीमान्त रेल का आखिरी स्टेशन है, तक बढ़ाने जाने का सुझाव दिया था और क्या उन्होंने यह आश्वासन दिया था कि उनके सुझाव पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जायेगा;

(घ) क्या जोगबानी तक की मोटर-गेज लाइन को बड़ी लाइन में बदलने के लिए नपाल की जनता और सरकार द्वारा बार-बार मांग की गई है;

(ङ) यदि हां, तो कार्य को कब तक प्रारंभ किया जायेगा; और

(च) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है ?

रेल मंत्रालय में रेल राज्य मंत्री (श्री सी० क० जाफर शरीफ) : (क) और (ख). जी हां । बरौनी-कटिहार मीटर लाइन के बड़ी लाइन में आमान परिवर्तन के कार्य का, 1978–79 के बजट में 20 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर, शामिल किया गया था । मार्च, 1980 के अन्त तक, इस कार्य पर 1.81 करोड़ का खर्च होने की आशा है । 1980–81 के दौरान इस कार्य के लिए 2.5 करोड़ रुपये के परिव्यय का प्रस्ताव है ।

(ग) से (च) जी हां । किन्तु कटिहार-जोगबानी मीटर लाइन खण्ड की वर्तमान क्षमता यातायात की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है और इसके आमान-परिवर्तन के बारे में तभी विचार किया जा सकता है यदि यातायात में वृद्धि हो जाने के कारण इसका औचित्य बनता हो ।

Railway Lines in Backward Areas

1329. SHRI AMAR ROYPRADHAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the names of places where the railway lines have been constructed, so far, in the backward areas;

(b) the names of places where the railway lines have not so far been constructed in the backward areas; and

(c) the steps taken by Government to expedite the construction of railway lines in those areas?